अग्रवाल महाविद्यालय में दिनांक 18 अगस्त, 2017 को महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. कृष्ण कांत गुप्ता की प्रेरणा व उनके निर्देशन में राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान का विषय न्यायिक सक्रियता था इस व्याख्यान की मुख्य वक्ता डॉ. सांची चावला, दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय थीं। उन्होंने बताया कि न्यायपालिका संविधान द्वारा प्राप्त शक्तियों के अनुसार अपना निश्चित कार्य करती है परन्तु कभी–कभी यह अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर सरकार के दूसरे अंग कार्यपालिका व विधानपालिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप करती है इसे न्यायिक सक्रियता कहते हैं। उन्होंने बताया कि न्यायिक सक्रियता कि आवश्यकता क्यों हुई, इसकी शुरुआत कब हुई व सरकार के ऊपर इसका प्रभाव के बारे में विस्तार से चर्चा कि। अन्त में उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की इस सक्रियता से जनता का उस पर विश्वास बना है परन्तु उसे लोकतंत्र बनाये रखने के लिए अपने ऊपर नियन्त्रण रखना चाहिए व तीसरे सदन की भूमिका नहीं निभानी चाहिए। इस अवसर पर श्रीमति रितु, विभागाध्यक्षा, राजनीति शास्त्र विभाग व डॉ. विनोद राठी उपस्थित थे।